MR. CHAIRMAN i There is no point of order. Ten minutes are over. Next question No. 633, Mr. Rajnarain.

श्री राजनारायण : इस सदन में राष्ट्र विरोधी काम के लिए समय...

(Interruptions)

SHRI ABID ALI : Sir, the point is the next question. The hon. Member has no point of order to raise on this question. Therefore the question of the point of order does not arise. Mr. Rajnarain, sit down. *(Interruptions.)*

MR. CHAIRMAN : Next question No. 633.

श्री राजनारायण : आप चाहें तो हमको निकाल दीजिए। कांग्रेस पार्टी के सभी वरिष्ठ लोग बैठ हैं, मुझे बता दीजिए कि पाइन्ट आफ आर्डर में रेज कर रहा हूं, क्यों सुन्दर सिह भंडारी को पहले मौका दिया गया *(Interruptions)* जो पाइन्ट आफ आर्डर हम रेज कर रहे हैं वह वेलिड है... *(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN i I do not allow it.

श्री राजनारायण : हमारा पाइन्ट यह है...

MR. CHAIRMAN : There is no point of order. Question No. 633.

श्री राजनारायण : श्रीमन, हमने मिनिस्टर का रिप्लाई नहीं सुना, हमने अभी अपना क्वेश्चन पुट नहीं किया। क्वेश्चन नम्बर सिक्स थ्री थ्री।

श्री ना० कृ० शेजवलकर : श्रीमन, इन्होंने क्वेश्चन अंग्रेजी में बोला है। *(Interruptions)*

श्री राजनारायण : अगर इस सदन में यह फैसला हो चुका है कि जो हल्ला से दबाएगा उसी की बात मानी जाएगी तो ठीक है *(Interruptions)* मोहन धारिया साहब हैं *(Interruptions)* ठीक है। तो मैं अकेला ही हूं। अगर हमारे साथ कोई नहीं तो जस्ट काज के लिए मैं अकेला खड़ा हूं। सदन में दो स्टैंडर्ड न हों, पाइन्ट आफ आर्डर हमने रेज किया और आप उसे एलाउ नहीं कर रहे हैं।

SHRI BRAHMANANDA PANDA : There is no point of order.

MR. CHAIRMAN i Mr. Rajnarain, I shall not allow it. You can leave it to me, to my discretion. Next question No. 633. Mr. Rajnarain.

श्री राजनारायण : यह जनसंघ का हुड़दंग हमको दबाएगा तो हम दबेंगे नहीं। *(Interruptions)*

एक माननीय सदस्य : आप में हिम्मत नहीं है।

ftE-STARRED QUESTION NO 633.

MR CHAIRMAN : Question No. 633.

SHRIMATI JAHANARA JAIPAL SINGH : Yes, Sir. Indian Airlines Viscount Aircraft VT-DOH operating scheduled service IC-203...

MR. CHAIRMAN i *I.* is left to the Ministers. If the Ministers want to reply in

श्री राजनारायण : पाइन्ट आफ आर्डर। इस सदन में नियम है कि हिन्दी के सवाल का जवाब हिन्दी में दिया जाय। हमारे प्रश्न की मूल सूचना हिन्दी में प्राप्त हुई। कृपा करके सदन की जो परिपाटी है उसको चलने दें और हिन्दी के सवाल का जवाब हिन्दी में दिया जाय।

Hindi, certainly I welcome them to do so. But if they do not wish to do so and want to say it in English, let them do so.

AN HON. MEMBER i English.

MR. CHAIRMAN i All right.

गोहाटी जाने वाला वायुयान

*633. **श्री राजनारायण** †:
श्री अर्जुन अरोड़ा :

क्या **पर्यटन तथा नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

tThe question was actually asked on the floor of the House by Shri Rajnarain.

(क) क्या यह सच है कि 27 अक्तूबर, 1968 को कलकत्ता से गोहाटी जाने वाले वायुयान को आधा घंटा उड़ चुकने के बाद आधे रास्ते से वापस बुलाया गया; और

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण थे ?

†[GAUHATI BOUND AEROPLANE

*633. SHRI RAJNARAIN :
SHRI ARJUN ARORA :

Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state :

(a) whether it is a fact that Gauhati bound aeroplane which took off from Calcutta on the 27th October, 1968 was called back after it had been in the air for half an hour ; and

(b) if so, what were the reasons therefor?]

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRIMATI JAHA-NARA JAIPAL SINGH): (a) and (b) Yes, Sir. Tndian Airlines Viscount aircraft VTDOH operating scheduled service IC-203 from Dum Dum to Gauhati was recalled after it was air-borne from Calcutta, at the instance of Deputy Commissioner, Security Control, Calcutta, in order to apprehend a passenger in that aircraft who was accused in a case, was on bail and was likely to go out of India. After the plane landed, the passenger in question was taken into custody by the Police along with his baggage.

‡[**पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय में उपमंत्री (श्रीमती जहांनारा जयपाल सिंह) :** (क) और (ख) जी, हां । इंडियन एयर-लाइन्स के वाइकाउंट विमान वी० टी०-डी० ओ० एच० को, जो दमदम से गोहाटी की अनुसूचित सेवा आई० सी०-203 परिचालित कर रहा था कलकत्ता से उड़ने के उपरांत उपायुक्त सुरक्षा नियंत्रण, कलकत्ता के आग्रह पर विमान में बैठे एक ऐसे यात्री को गिरफ्तार करने के लिये जो किसी मामले में अभियुक्त था तथा जिसकी जमानत हुई थी और जिसकी भारत से बाहर चले जाने की संभावना थी, वापिस बुलाया गया । विमान के भूमि पर उतर आने के बाद संबंधित यात्री को पुलिस ने सामान समेत हिरासत में ले लिया ।]

श्री राजनारायण : मैं यह जानना चाहता हूं कि सरकार के पास क्या सबूत है कि वह आदमी देश के बाहर जाना चाहता था और दूसरा पाइन्ट हमारा यह है कि क्या उस व्यक्ति के पास. . .

श्री चन्द्र शेखर : राजनारायण जी उसका समर्थन कब से करने लगे ?

श्री महावीर प्रसाद भार्गव : कैसे दोस्ती हो गई ?

श्री चन्द्र शेखर : सरकार में काफी लोग उसके समर्थक हैं ।

श्री राजनारायण : मैं श्री चन्द्र शेखर का भी समर्थक हूं जो उस दल में हैं जिसने इस देश को तबाह, सत्यानाश कर दिया है । जब भी कोई व्यक्ति आफत में आएगा, अगर उसके साथ गैरवाजिब हरकत होगी तो मनुष्य के नाते हमारा कर्तव्य है कि हम उस गैरवाजिब हरकत की मुखालिफत करें। यह प्रश्न है श्री एस० एम० वाही के बारे में जिसको दो करोड़ रुपया दिया गया और वह रुपया अभी तक वापस नहीं हुआ बार बार हम लोगों के कहने पर भी ।

अब सवाल आता है दूसरा । उनके ऊपर चार्ज है, जो कोर्ट में दिया गया है— "S. M. Wahi" "The accused is a foreigner. . ."

श्री आबिद अली : अंग्रेजी नहीं, हिन्दी ।

(Interruptions)

श्री राजनारायण : ऐसी संसद की हमको जानकारी है जिसमें ख्रुश्चेव ने जूता भी निकाल लिया था । मैं नहीं चाहता सदन को इस स्थिति में लाया जाय ।

SHRI R. T. PARTHASARATHY : Sir, by means of asking a supplementary question, he is trying to reveal some other information which is out of order

(Interruptions)

†[ ] English translation.
‡[ ] Hindi translation.

MR. CHAIRMAN : If you do not keep silent, it becomes impossible for me to follow what is going on. Please put the question in an intelligible way.

श्री राजनारायण : क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि एस० एम० वाही के ऊपर जो सी० बी० आई० ने चार्ज लगाया था और जिसको जज की अदालत में उसने दिया उसमें लिखा है— "The accused is a foreigner and a Pak national who is in all possibility engaged in espionage activities . . ." यानी कि जो एक्यूज्ड है वह एक विदेशी है, वह पाकिस्तान का नागरिक है और वह हर तरह से यहां की, मुल्क की, इस्पीयोनेज एक्टिविटीज में लगा हुआ है। मैं जानना चाहता हूं श्रीमन, क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि उनके ऊपर ऐसा चार्ज लगा और क्या वह सरकार यह भी जानती है कि श्री एस० एम० वाही का सारा परिवार वाराणसी में रहता है और श्री जगजीवनराम जी का लड़का उनके यहां सर्विस में था, श्री के० सी० पन्त वहां थे। मैं समझता हूं जो हमारे आदरणीय चेयरमैन साहब बैठे हुए हैं उनके लड़के से भी कोई उनका व्यापार से संबंध था, फूड एन्ड अग्रिकलचरल आर्गनाइजेशन, अजित प्रसाद जैन. . .

(Interruptions)

MR. CHAIRMAN : Not at all. It is very wrong.

श्री राजनारायण : . . . एस० के० पाटिल, देशमुख . . .

MR. CHAIRMAN : What is it that you want ? Come to the question.

श्री राजनारायण : . . . सब ने उनको बाहर भेजा एफ० ए० ओ० की तरफ से।

SHRI A. G. KULKARNI : We do not understand. Sir, why irrelevant questions are put.

SHRI MULKA GOVINDA REDDY : He should not be disturbed.

MR. CHAIRMAN : Mr. Rajnarain, you are making a long speech. You put the question.

(Interruption by Shri A. C. Kulkarni)

SHRI RAJNARAIN : Why are you allowing him like this ?

SHRI A. G. KULKARNI : Why is he using names ? He should behave properly. You should protect us also. We are also Members of this House...

श्री राजनारायण : क्वेश्चन पुट कर रहा हूं। मगर देखिये मैं भी जानता हूं. . .

(अंतर्बाधा) कुलकर्णी को चुपकरना जानता हूं।

SHRI A. G. KULKARNI : ... I am not understanding how you are allowing Mr. Rajnarain to put such questions which have got no bearing on the question. I cannot understand all these things.

SHRI JAISUKHLAL HATHI : Try to finish your question in two or three minutes, Mr. Rajnarain, and then this will not happen.

MR. CHAIRMAN 1 You took ten minutes to put a question. How can we get on in this way ? Ten minutes are really over. Put a question.

श्री राजनारायण : हमको खुद पता है कि कौन कैसे क्वेश्चन पूछता है। अगर मैं शांत रहूं तो क्या इसका मतलब यह है कि दस मिनट हमने ले लिये।

MR. CHAIRMAN : Put your question.

श्री राजनारायण : मैं पुट कर रहा हूं। समय गिनिये, टाइम देखिये।

MR. CHAIRMAN i No, no. You have taken ten minutes.

श्री राजनारायण : नो नो। क्या सरकार को इस बात को जानकारी है कि श्री एस० एम० वाही के ऊपर यह चार्ज लगा कि वह पाकिस्तान के नागरिक हैं और वह विदेशी हैं। दूसरा सवाल हमको अधिकार है क्वेश्चन पूछने का—यह है कि क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि श्री एम० एस० वाही साहब को एफ० ए० ओ० में लगातार, जब से अजित प्रसाद जैन कृषि मंत्री थे, उनके बाद एस० के० पाटील साहब कृषि मंत्री थे, जैरामदास

दौलतराम कृषि मंत्री थे, बराबर यहां का प्रतिनिधी बनाकर यू० एम० ओ० में भेजा गया है। क्या इसकी भी जानकारी है कि इस कैबिनेट के अंदर बहुत से मंत्री उनके कन्सर्न में एक न एक प्रकार से सम्मिलित थे ? यह हमारा सवाल है।

MR. CHAIRMAN : Put a questior that way. Do not make a long speech.

श्री राजनारायण : आप देखिये . . .

MR. CHAIRMAN : Anyhow, yoi have put the question now.

श्री राजनारायण : यही मैं पुट कर रहा था।

डा० कर्ण सिंह : सभापति महोदय, माननीय सदस्य ने बहुत से प्रश्न उठाए श्री वाही का परिवार वाराणसी में रहता हो न रहता हो इसका सवाल नहीं है और जो उन्होंने दूसरी बातें कहीं, हमारी जानकारी यह है कि श्री एस० एम० वाही के विरुद्ध सेन्ट्रल ब्यूरो आफ इन्वेस्टिगेशन्स ने बहुत से चार्ज लगाये हैं, उन चार्जेज की तफसील अगर आप जानना चाहते हैं तो वे हैं :

Under section 120B/420 and Sec. 5(2) of the Prevention of Corruption Act. Sec. 5(2)/5(l)dof Act II 1947.

एक तो चार्ज है उनके विरुद्ध कि 2 करोड़ 16 लाख रु० का गबन हुआ उसके अलावा एक केस उनके विरुद्ध हैदराबाद में है, एक तीसरा केस उनके विरुद्ध चलने वाला है। तो जब यह सारी जानकारी थी तब सेन्ट्रल ब्यूरो आफ इनवेस्टिगेशन्स को यह विचार हुआ, उनको यह संभावना हुई, कि वह शायद देश को छोड़ कर बाहर जाना चाहते हैं इसलिये उन्होंने हर एक स्थान पर जानकारी दे दी थी। जब पता चला कि वह हवाई जहाज में गौहाटी से उड़ रहे हैं तो उनसे कहा गया वह वापस आ जायें।

श्री राजनारायण : श्रीमन्, सेकेन्ड क्वेश्चन। मैं जानना चाहता हूं क्या सरकार को इस बात की जानकारी है . . .

SHRl M. PURKAYASTHA : Why this preferential treatment ? This question has taken more than fifteen minutes.

SHRI MULKA GOVINDA REDDY: Is he

श्री राजनारायण : . . . कि जज ने श्री एस० एम० वाही को छोड़ा, यह कह कर कि सी० बी० आई० के पास कोई सबूत नहीं है कि यह पाक नेशनल है या यह विदेशी है। सवाल में यह पूछता हूं कि जो उनके ऊपर यह चार्ज लगा कि वह पाकिस्तान के नागरिक हैं यह कैसे लगा जब कि इस मंत्रिमंडल के भूतपूर्व मंत्रीगण और वर्तमान मंत्रीगण कई वर्षों से श्री एस० एम० वाही को जानते हैं कि उनका व्यापार यहां उत्तर प्रदेश आसाम, बिहार, कलकत्ता सब जगह है।

डा० कर्ण सिंह : सभापति महोदय, श्री वाही पहले बेल पर थे। यह जो कि केस हुआ जिसकी मैंने तफशील दी, उसके सिलसिले में वह बेल पर थे। जब वह कलकत्ता वापस आए तब दूसरा केस पासपोर्ट रूल्स के तहत किया गया। जज ने उस रूल को नहीं माना लेकिन उन्होंने कहा कि वह कोर्ट की परमिशन के बगैर और बिना पूछे बाहर न जायें।

an Indian national or a Pak national?

डा० कर्ण सिंह : जहां तक मेरी जानकारी है सभापति महोदय, उनका पासपोर्ट इम्पाउन्ड हो गया है लेकिन वह विदेशी नागरिक नहीं हैं, भारतीय नागरिक हैं।

श्री राजनारायण : जिस आफिसर ने उनको विदेशी नागरिक करार दिया उसके ऊपर क्या कार्यवाही हुई ?

MR. CHAIRMAN : Two questions you have put. No more.

SHRI ARJUN ARORA i Sir, I am not concerned with Mr. S. M. Wahi. I am concerned with the other passengers who were in that plane. Admittedly this flight was from Calcutta to Gauhati and the writ of the C.B.I, prevails not only in Calcutta but also in Gauhati.. If the person, Mr. S. M. Wahi, could be arrested in Calcutta he could also be

arrested at Gauhati. There was no danger of his having been dropped by a parachute in between. So may I know, Sir, why the Indian Airlines Corporation did not take the discomfort and the inconvenience of the other passengers in view, and why did they not tell the police to send a wireless messageto Gauhati to arrest him at Gauhati if they liked. The other passengers were also brought back and their time was wasted. They were put to severe inconvenience merely because some officer of the C.B.I, who was at Calcutta, wanted to get the credit of having arrested him there. He could as well have been arrested at Gauhati.

DR. KARAN SINGH : As I have submitted, the C.B.I, had informed various stations and the security police. This gentleman arrived at the airport just before the plane was leaving, got in and left. Now, the security police came to know only after the plane had become airborne that he had left. They were not sure whether it would be possible for them to contact Gauhati in time and contact the police. After all, this honourable House knows that there have been cases earlier—I do not wish to mention names—in which people have escaped. I think, in fact, the honourable House should appreciate the abundant precaution which was taken and the vigilance which was shown in recalling the plane.

INDIAN DELEGATION TO CASTASIA

*634. SHRI R. P. SINHA :
SHRI KRISHAN KANT f:

Will the Minister of EDUCATION be pleased to state :

(a) whether one of the members of the Indian delegation to Castasia spoke in his individual capacity and not as a member of the delegation ; and

(b) if so, what steps'! Government propose to take to avoid recurrence of such incidents ?

THE MINISTER OF EDUCATION (DA. TRIGUNA SENl: (a) Perhaps,the reference is to a member of the Indian delegation who was also an observer on behalf of an international body.

tThe question was actually asked on the floor of the House by Shri Krishan Kant.

(b) There were a number of Indians who were delegates to CASTASIA representing various international organisations. It would not De advisable for the Government to bar Indians being nominated on behalf of international bodies in International Conferences. On the contrary, it should be welcomed.

SHRI KRISHAN KANT \ Sir, the concerned person was a member of the Indian delegation. He might have been representing some international organisation. But that member, Prof. Mahalanobis, was speaking something contrary to what the other Indian delegates had said and when the leadei of the Indian delegation at tnat time, Dr. Gadgil of the Planning Commission, contradicted nim and said tbat he did not represent the views of the Indian d^Iegation, then he said "Now I am speaking as a member of an international delegation." The main question is. Can a person be a member of two delegations at the same time—the Indian delegation and the international organisation—and give two views on the same subject ?

DR. TRIGUNA SEN : Perhaps it is not proper, but surely a member representing an international organisa ion can express the viewpoint of that organisation.

SHRl KRISHAN KANT : Mr. Chairman, Sir, can a person represent two organisations at the same time ? If he was representing the International Statistical Institute, then he shou'd not have been representing the Indian delegation. If he was representing the Indian delegation, then he should not have been representing the International Statistical Institute. Why did the Covernment of India appoint a person as a member of the Indian delegation who represents other delegations Secondly, when the whole thing happened, we know the international delegates were laughing at what the Indians were saying. May I know whether it is also s fact that when the committees were to be formed, one of the Indian delegates said that committees should be foimed of such scientists who were above the age of 40, and this remark of the Indian delegate was also derided and laughed at by the CASTASIA conftrtnee? May I know the average age of the Indian delegates and the average age of the delegates from the different foreign c un-tries ?